# लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति
प्रस्तुतकर्ता

# यशायाह, भविष्य देखनहारा

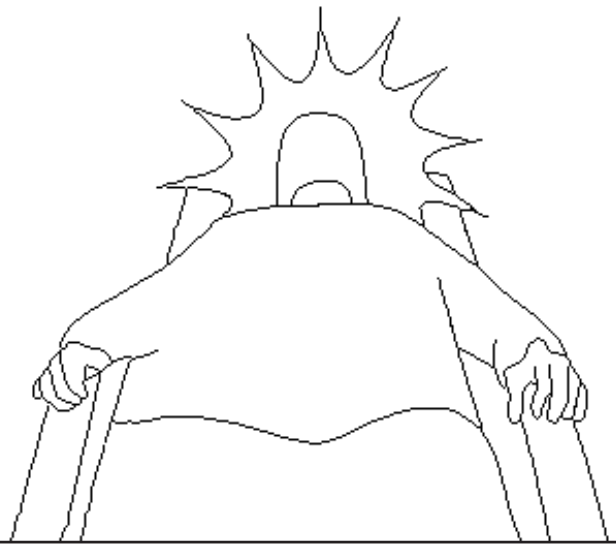


लेखक: Edward Hughes
ब्याख्याकर: Jonathan Hay
अनुवादकः सुरेश मसीह
अनुकूलित: Mary-Anne S.


कहानी 27 से 60


**www.M1914.org**

***Bible for Children,*** *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*



अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।


Bhojpuri

यशायाह एगो भविष्यद्वक्ता रहलन। उन कर काम परमेश्वर की बात के लोगन तक पहुँचावल रहे।

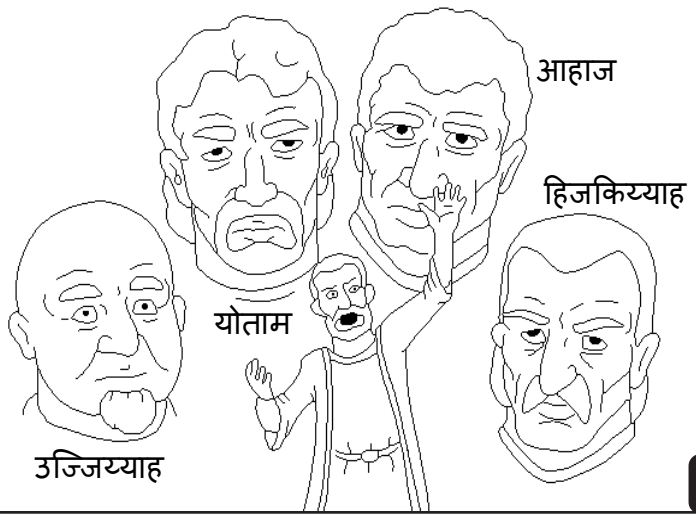




लोग हमेशा परमेश्वर की संदेश के सुनल ना चाहत रहलें, लेकिन यशायाह कभी भी प्रभु के नीचा ना कइलन।

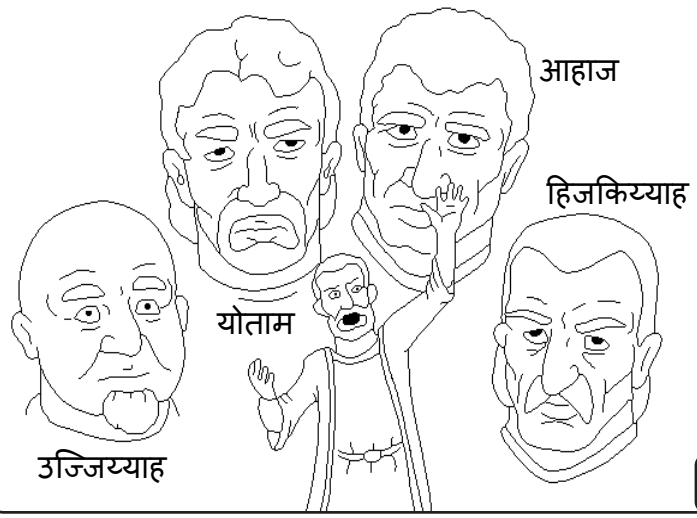

यशायाह चार अलग अलग राजा लोगन की राज काल की दौरान प्रचार कइलन।

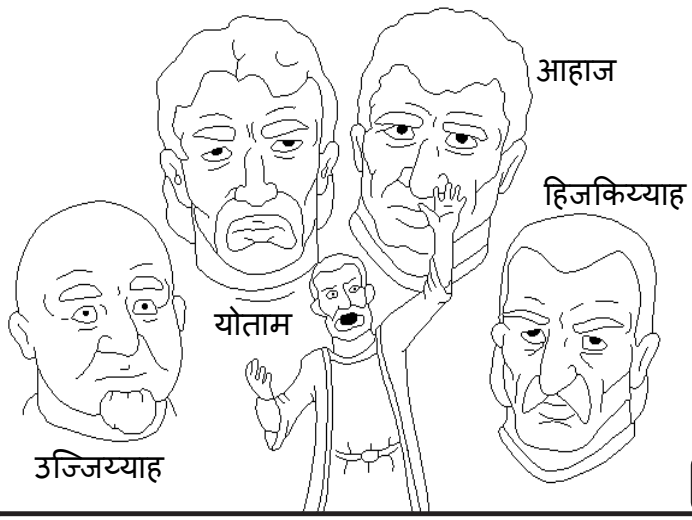


3

राजा उज्जियाह यरूशलेम की शहर से यहूदा देश पर शासन कइलन। शुरू में परमेश्वर उज्जियय्याह के बहुत आशीषित कइलन, काँहे से कि उज्जियय्याह उहे कइलन जेवन यहोवा की दृष्टि में ठीक रहल।

4

लेकिन बाद में उज्जियय्याह घमण्डी बन गइलन अउर परमेश्वर की आज्ञा क पालन करल छोड़ दिहलन। उ एगो कोढ़ी हो गइलन अउर उनकी मरला तक उनके अकेले रहे के पड़ल।

5

राजा उज्जियाह 60 साल से अधिक समय तक राज कइलन। जब उ मर गइल, तब उनकर बेटा योताम उनकरी स्थान पर राजा बनलन अउर सत्रह साल तक राज कइलन।

6

परमेश्वर योताम के आशीषित कइलन, काँहे से कि उ यहोवा की चेतावनी के सुनलन जेवन यशायाह अउर अन्य भविष्यद्वक्ता लोगन की माध्यम से परमेश्वर उन सब के बतावत रहलन।

7

राजा योताम क बेटा आहाज रहलन। जब आहाज बीस साल क रहलन, उ राज करे लगल अउर यरूशलेम में सोलह वर्ष तक राज कइलन। आहाज परमेश्वर क कवनो परवाह ना कइलन।

8

उ मूर्ती अउर झूठे देवता लोगन क पूजा कइलन, अउर अइसन करे खातिर परमेश्वर की अनेको लोगन क नेतृत्व भी कइलन। यशायाह उन सब के चेतावनी दीहलन, लेकिन आहाज परमेश्वर की चेतावनी के ना सुनलन। खाली 35 साल की उमर में ही, उ मर गइलन।

9

परमेश्वर अगीला राजा हिजकिय्याह के बहुत आशीषित कइलन, काँहे से कि उ सब मूर्ती अउर झूठे देवता के हटा दिहलन, अउर सच्चे ईश्वर से प्रार्थना कइलन। जब एगो दुश्मन सेना यहूदा पर हमला कइलस, तब हिजकिय्याह जानत रहलन की उनकर सेना जीते खातिर बहुत ही कमजोर रहल। उ यशायाह से बिनती कइलन कि उ परमेश्वर की मदद खातिर प्रार्थना करें।

10

यशायाह राजा खातिर ई संदेश भेजलन "यहोवा ई कहत बाड़न: तू ए दुश्मन से मत डेराअ ... हम उन हन के हरावे खातिर तोहके मजबूर कअरब ..." एकरी तुरंत बाद, परमेश्वर अइसन कइलन की दुश्मन सेना हिजकिय्याह से लड़ला बिना ही छोड़के भाग गइल।

11

जबकि उनकरी आसपास क लोग परमेश्वर की बारे में कुछ ज्यादा ना सोचलें, परन्तु यशायाह उनकरी बारे में बहुत सोचत रहलन।

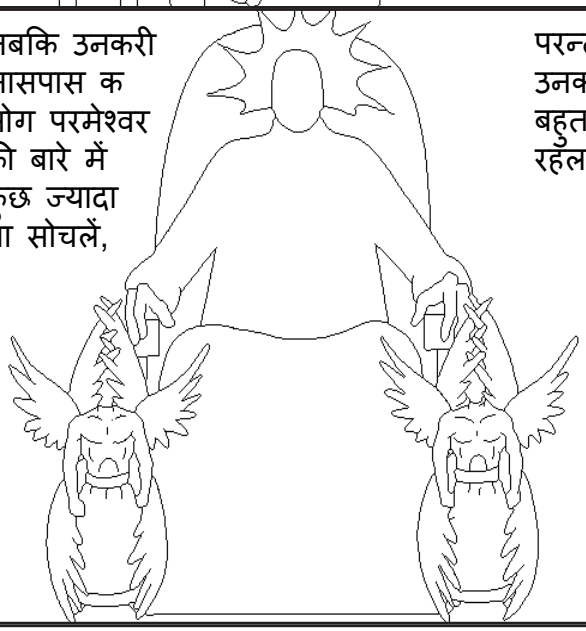

12

एक दिन, उ दर्शन देखलन, शायद उ एगो सपना की सामान रहल जेवन हमनी क जागत की समय देखत रहे नी जा। दर्शन में, यशायाह गौरवशाली अउर पवित्र परमेश्वर की महिमा के देखलन।

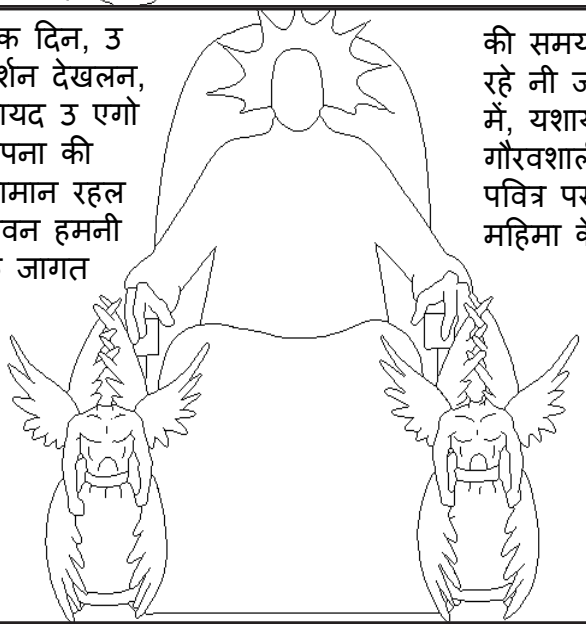

13

दर्शन में परमेश्वर पूछलन "हम केकरा के भेजीं?" यशायाह जबाब दिहलन, "हम इहां बानी, हमके भेजअ" परमेश्वर जेवन कुछ भी चाहत अउर जहाँ कहीं भी भेजल चाहें, यशायाह करे खातिर तइयार रहलन।

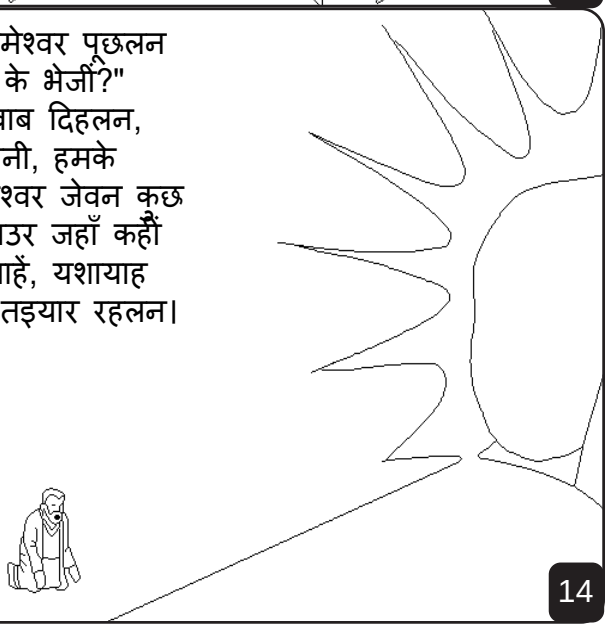

14

शायद यशायाह ई सोचत रहलन कि परमेश्वर उनके दूर देश की लोगन की पास भेजीहन जे उनकरी बारे में ना सुनले होइ। लेकिन ना, परमेश्वर अइसन ना कइलन।

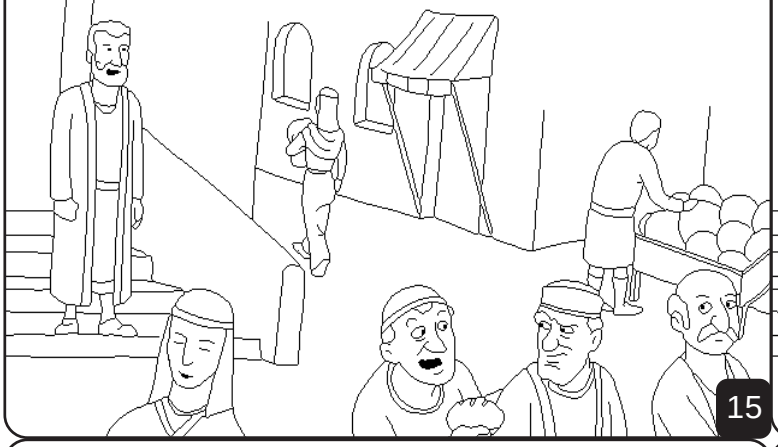

15

परमेश्वर यशायाह के उनही की देश में अपनी ही लोगन से बात करे के कहलन। उनके ई बतावे के रहल कि परमेश्वर उनकरी पापन की कारन ओ लोग पर क्रोधित बाड़न।

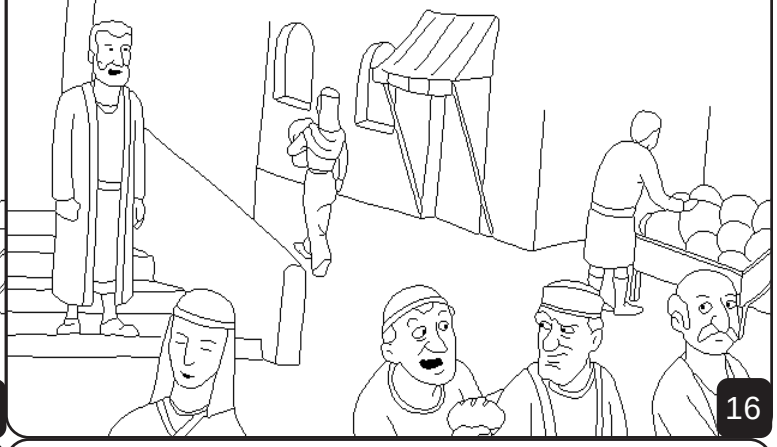

16

अलग अलग बात भी रहल, जेवना के यशायाह के अपनी लोगन के बतावे के रहल - ओ व्यक्ति की बारे में उ सब अद्भुत बात, जे उन सब के उनकरी पापन से अउर उनके उनकरी सब दुश्मनन से बचावे खातिर एगो दृढ़ उद्धारकर्ता अइहन।

17

यहूदी लोग ए आदमी के 'मसीहा' कहत रहलें। जबकि उ सब जानत रहलें कि परमेश्वर उनहन लोगन खातिर मसीहा के भेजीहन तौभी उ सब लोग अइसन जीवन जीयत रहलें जइसे कि उ कबो अइबे ना करीहन।

18

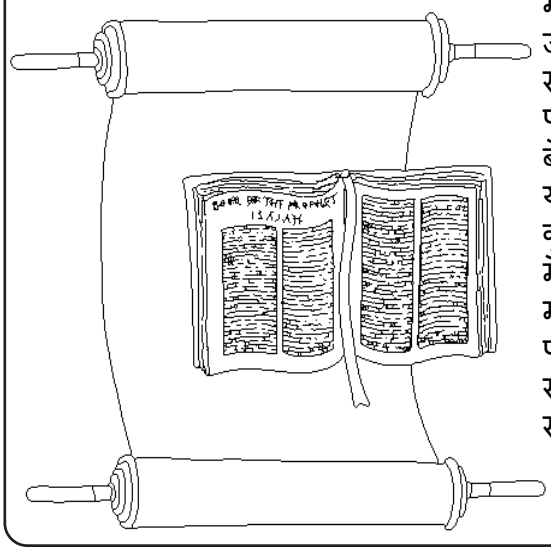

यशायाह यीशु मसीह की बारे में जेवन कुछ कहलें सब बात उनकरी पुस्तक में लिखल बा। हालांकि यशायाह जेवन कुछ भी यीशु मसीह की बारे में सैकड़ों साल पहिले लिखले रहलन, सब कुछ सच होखे वाला रहल।

19

यशायाह कहलें कि परमेश्वर खुद ही एगो चिंन्ह दिहन।

एगो कुंवारी एगो बेटा के जनम देई अउर उनकर नाम इम्मानुएल रखल जायी।"

20

लोग जानत रहलें कि यशायाह परमेश्वर की मसीह की बारे में बात कर रहल बाड़न;

काँहे से कि उनके पता रहल की एगो कुंवार महिला की कुँवारीपन में लइका ना हो सके ला।

इम्मानुअल नाम क मतलब परमेश्वर हमारी साथ बाड़न!

21

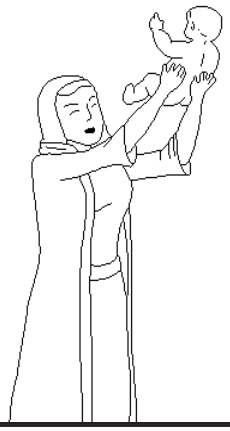

"काँहे से कि हमनी की खातिर एगो बालक उत्त्पन भइलन, हमनी के एगो पुत्र दिहल गोइल; अउर प्रभुत्त उनकरी कान्ही पर होई, उनकर नाम अद्भुत युक्ति करे वाला पराक्रमी परमेश्वर, अनंतकाल क पिता, अउर शांति क राजकुमार रखल जायी।" यशायाह के यकीन रहल कि परमेश्वर क सारा वायदा सच हो ई; उ ए तरह से प्रस्तुत कइलन की जइसे घटना पहले से ही हो चुकल बा। एही के भविष्यवाणी कहल जाला।

22

यशायाह बतवलन की मसीह महान होइहन अउर बड़ से बड़ काम करीहन। परमेश्वर यशायाह के ईहो बतवलन कि मसीह दुःख उठइहन अउर मार दिहल जइहन। यशायाह आश्चर्य कइले होइहन कि मसीह कइसे महान, शक्तिशाली अउर ओही वक्त कमजोर अउर घायल भी होइहन; ई कइसे हो सकत बा। लेकिन यशायाह परमेश्वर की साथ बहस ना कइलन – उ सिर्फ परमेश्वर की कहला अनुसार उनके दोहरवलन। परमेश्वर अपनी भविष्यवाणी के सच करिहन।

23

यीशु मसीह सिर्फ यहूदी लोगन की खातिर ना आइल रहलन। परमेश्वर यशायाह के बतवलें की मसीह "अन्यजातियन की खातिर एगो प्रकाश होइहन।" दुनिया भर में अन्यजाति उ सब लोग कहलावे लें, जे यहूदी ना हअ। परमेश्वर सबके प्यार करे लें अउर उनकर ई मसीहा सबकर भला करिहन अउर पृथ्वी की छोर तक सबकी खातिर उद्धार लेअइहन ।

24

यशायाह, भविष्य देखनहारा

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से ई कहानी लीहल गइल बा

यशायाह 1, 6, 7, 9, 53

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

**ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।**

**ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के धरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।**

**यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउआ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।**

**हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !**